न का ग ॥ [illegible] ॥ [illegible] के रु हे [illegible]

ये का व । म क व र्कु रु तु [illegible]

प्रम गा लि य लि यु ॥ [illegible]

[illegible] व क्र [illegible]

मे त्रा ला । ता य हि [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] न क्रिय । [illegible] क हिय

[illegible] हल य [illegible] या

[illegible] । [illegible] हि [illegible] नु [illegible]

[illegible] साम प [illegible] ता ः [illegible]

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

132 ASHA ARCHIVES

नैवेद्यानि ॥ ततश्चाक्षतं […] ॥ प्राणायामं दत्वा ॥ जलमन्त्र देवताः निलमधुघृतदुग्धानि ॥
मण्डपिकं गन्धपुष्पं । […] [illegible] नि कृत्वाक्षा । पुष्पधूपदीपपूजं
त्वा ॥ गर्भे ॥ कामपूर्वं भूमि […] [illegible] दानं अर्दक्ष्यात् । तस्यामुद्राम
यव । वाटदेवक्षि पा […] [illegible] ॥ २ ॥ ॥ कर्हिमानेक
पुनर्वासहरिद्रा जूति […] मन्त्रेण पूजयेत् नि कृ
यात्र ॥ पुष्पं धूपं दीपं […] सात्रिपिता । पूजापत्रिः
देवताः । त्रिदिग्रह […] ता । अर्घ्यं कृत्वा । याचाम
पीठद्वयं मुक्ता । ज्ञात्वा […] [illegible] दानं ॥ ४ ॥ ॥
महाविद्या नाम कृत्वा पंचदशति […] [illegible]

मंत्रेण ॥ स्वस्त्यपस्थानं कृत्वा । द […] स्व दानं ॥ ॥ ॥
ज्ञदानं कृत्वा प्राणविमुच्यामि […] ॥ पंचगव्य कृत्वा याचू । य
यजन ॥ ॐ मा भूत्वा नि […] पादि हिंस ॥ पूजाहूत्वा । ज
वनागयति । अनुदह […] कृत दानं ॥ ततः प्रेष्य ज्वालि
॥ ५ ॥ ॥ पुनर्वसु […] अभिकसमह । स्वस्त्यवमाह
मार्जनं कृत्वा । [illegible] स्तु […] दानं । कृत्वा ॥ ६ ॥ ॥ मिष्टान्नकृतः सक
मातिपिता । स्वस्त्यपि देवताः । पयस […] [illegible] ॥ स्वस्त्यामूर्ध्वं कृत्वा । श्रीवस्तु
दर्शं ॥ कृतं नाम यति । कनक [illegible] दान […] तानकृतः नटवादि पिता । सर्वदेवताः । दिह्यतासि स्वधा
होमं ॥ पंचगव्यानि दत्वा सनि आहादि । पू […] लिङ्गं कृत्वा ॥ नमस्तु सर्वस्यः ॐ किमिं कुरु ॥ पुत्रदधमूर्धद

र्यः कृष्णं नागयति: मार्गे सर्वगुडमिश्र दानं ॥ ९ ॥   ॥ मघा नक्षत्र: लाङ्गलाकृति पितृ: पितरो देवता: ...
मिश्रितं भुक्त्वा ॥ पूर्वस्य मूलशिखं भक्षयित्वा: दक्षिणमुख संदर्यं: कृष्णं नागयति: वजन दानं ॥ १० ॥   ॥ पूर्वफा
ल्गुनि नक्षत्र: मासद्वय पितृ: ... मामा ... हिरण्य होमं ॥ महाश्रयस्य ... ॥ ... वनि मैत्र
णं ॥ पूर्वस्य ... कृत्वा ॥ ... दानं ॥ ११ ॥   ॥ उत्तरफाल्गुनि नक्ष
दिन ... पितृ: अर्यमा देवता: ... शालि कृत्वा: ...
... पूर्वदयं: कृष्णं नागयति: ... देवता: ... मधु सर्पि ...
मे: ... मिश्र ॥ ... नागयति: ...
दानं ॥ १३ ॥   ॥ चित्रा नक्षत्र ... मिश्र ॥ ... यं:
पूर्वस्य ... कृत्वा ... ॥ स्वाति नक्ष

मासद्वय पितृ: वायुर्देवता: ...
कृत्वा ॥ मार्ग पूर्वदयं ॥ कृष्णं नाग...
दधि ... घृत होमं ॥ महाश्रयिकं ...
कृष्णं नागयति: सुवर्ण दानं ॥ १६ ॥ ...
नं: महाश्रयिकं ॥ मैत्र ... धर्म: ॥ ...
१७ ॥   ॥ अनुराधा नक्षत्र मासार्द्ध पितृ: मित्रो देवता: ... ... ॥
मैत्रं ॥ पूर्वस्य ... कृत्वा: कार्ष्णि पूर्वदयं: कृष्णं नागयति: कांचन दानं ॥ १८ ॥ ...
पक्षि पितृ: निर्ऋतिर्देवता: ... घृतादि मधु होमं: महाश्रयिकं ... ॥ ...
दश ॥ ... ॥ ... कृत्वा ... पूर्वदयं ॥ कृष्णं नागयति: ... दानं

॥२९॥ पूर्वाषाढानक्षत्रः पंचदशताविविजाः आपोदेवता ॥ अनन्तहोमं घृतमत्स्यहितैः जुहुयात्पिकसमिधः आपोहिष्ठाइति
मन्त्रेण ॥ कुस्त्यासिंहकृष्णं कृत्वा: वनामुखदर्शयं: जवनागयति ॥ चंदनदानमूः दधिपात्रदानं: स्वर्ण … दा
नं ॥३०॥ ॥उत्तराषाढानक्षत्रः दशताविविजाः विश्वेदेवा देवताः कृष्ण आज्यहोमं: मधुसमिधिकानं ॥ विश्वे
देवास्यागत इति मन्त्रेण ॥ कुकुसाजाश्वं कृत्वा लोकमुखदर्शयं ॥ … स्वर्ण … दानं ॥३१॥ ॥
श्रवणानक्षत्रः मासहृदयपीजः गोविंदादेवता … कुस्त्यासिंह कृत्वा
लोकपद्ममुखदर्शयं ॥ कृष्णनागयति: सुव … पीजः वसु
देवताः … … मतिर्प
कृत्वा मर्पदमुखदर्शयं कृष्णना …
त्रः दशताहीविजाः वसु …

कंठमधयथयाहि दिविधिकावमायं धयामिथुन कन्या [illegible]लग्ने तुला। सियायवधियाज्ञ[illegible]वीनकास ।।
संध्यागायमकयमिनहविवयकृत।। [illegible] ।। दिवी धमववदह माव मायुं धनना सक। दृ यमावधिया लग्ने
कृद्या वंगविनामक।। [illegible] ।। यष्टा हमावादगमावमेष्ठे निर्यान कालग्रहगतुमष्ठे। जूर्न्कदगमाप्र
फि कालतृकास कया उच्य निष्ठान्य दगमाकृसानि ।। [illegible] ।। कया उवदमा। यापी निवदगावेमेमवर्ष। कथ
दृ मिनि सं निसत्त मितृ दमासउन … मयादि उदयकृथा। मिथिवार
ववसायी स्रामनेवविमाजिनूं। सं … ।। विजयामाहनि जाता कवि
नं मूनियुगव।। [illegible] ।। जन्मक … मि द्वादगोजिव विघ्नगष्ठ
यउयाहमं।। [illegible] ।। पोष्ठा … मताल्र्यादृवकुनी
ति काया। जामाजन्या … यि। कि दगाउ

उयायाकृतालयु …
यामहिगताधाषापिर … नना सनि कृद्य
सवही गृलंययूष्ठमि।। [illegible] … द्वादहविधवात्रकमू
संविसाकय। तदाय यादका … कपिमा जूथवानहमू
नवयंवमकाजिव हरगुसकमकम … रहुर्थकगुवावहा।। [illegible] ।।
जादधीसानने सूनावार्य। हमवयूना स्कव … यथा हवदाषपविहन्यम।। [illegible] ।। सर्वविवृधेसल्ग्न
यामालाल यमं सन्हिमा। गुलमीजायमयस्य वाघामे सहसाहवह।। [illegible] ।। वासवाजिवोमादैमि मघजंदृक
कसवी वायसावहताहसा। हं यमनवंवाहना।। [illegible] ।। हस्कृविना साहिमि मनंवयदूर्षं अमामूलापोष्ठ वे
साअविषा। दसुसंदवानवाधवमामा। नूध्यानी … सकतकरीगवंव।। [illegible] ।। दिशाकाना …

तिमरा काउ हाहमिम्रुत मासनू [illegible] मिहुउ [illegible] माकू वा [illegible]

तितुऊं ङ्कः हागनिश्च काङ्कः ॥ ११ ॥ तत्र मेष १ वृष पंच ३ मिथुन नवक कस्थाथे छिऊ कर्कट २ वसिंहसंउ

कन्या यी दम वर्जित १० तुला तिमिउ वृश्चिक [illegible] धनव द ४ म कवबुरुङ ॥ कुम्भ ऊ ११ मिन सूर्यो १२ मे

षाया वा मव चन्द्रमा ॥ १ ॥ अह ट नवम मदर [illegible] वृड ॥ मनामे । ओंद । नूरुमकोदोद्वी यी नुप्रवि

मसन्यत [illegible] ॥ २ ॥ गुरु [illegible] वनू धिमवसभि भासंधीगलम

न्यषूयमसषू ॥ ३ ॥ गमिलर्याक [illegible] किनकवगषा स्कावक्रस

गद गार्धनू ॥ ४ ॥ क्विति लन [illegible] विनामयिमवनेनसंसपं

कृयीनू ॥ ५ ॥ शिवमावकु [illegible] वधनागमसूरुद

नकृक्रोजयीला हं [illegible] ॥ ६ ॥ आदि

दषिगंर्नू ॥ मदिना [illegible]

ससिकलहद हृडा सा [illegible] ङ्कःनिवालु हरा

हकार्य षूमिद्धि ङ्कः नि वदा [illegible] गुरु नू कविवावग

[illegible] ॥

अंतुष्टायद्विजानीयामका दा [illegible] गुरु डानाम ख्यमालि उज्जू गा

नवविर वदा ४ हा ६ तयादमा [illegible] ॥ बुक्र वेवानि वावह दगयति

गुवीद यपूथवलु कतुर्वी दिसाधिमा [illegible] कयायद्वि मन्धयीपीषवेत धिर्मांकवजमेवासव

दिसवगुवीसिंहसंकमहाल [illegible] वर्षा हा पकानि वाद्रा मनियथमवर्धदव कन्यांबि हर्तु ॥ २ ॥ जनिवाव

गानजीववर्ज यत नदनाकवनू ॥ ब्रह्मा द्यहादि नूतायाज स्थविंमनि वामयानू ॥ ३ ॥ यहनकतउदवेम

वमहकजहमपविहयरदम ॥ वा [illegible] सा [illegible] ॥ [illegible]

नंः वक्रवस्तुदानं॥ [illegible] ... दानं॥
कीमतृयं॥ इमना॥हिपू [illegible] ... षीः दा
नं कुला॥२३॥ वकनीन कतृः [illegible] ... पेजाः पूषाद [illegible] ... ः खवहुद्धा
यंः पूर्वतवतिमं कतोः सषंकृयं दनकुलपूनहोमं॥ [illegible] ... जूसवि
दानं॥ पूलदानं॥२१॥ ॥ पूलिनकृतमाहासालिषाणमना॥ [illegible] ... नंदा
... श्राधि कीमतृ
... नागयमी ध्वनं
॥

थमृयंयाग॥ मृयाकृ गेयंविद्विलियकेतं दवजिमवमि उकयलो ग्रह उकयवनिनामप्राके॥ मंदद्विगीलिव
ववनंयविहकंयविग्रमंकमाधिनंनकथयनियमन्याविवनियानिपू [illegible] ॥ ॥ उवहूस्वाक्कान्त्रिनिमा
नयागयूमानिविकनियकू॥ पूर्वमवियपूथलामूयनिम [illegible] ... मममृथमसकायसृवि
मवाविपूलमतनाग्रुवयविपूल्रिघायूकोलवदू [illegible] ... ावियर्यहादमग्ने
वकृका यंद्विलियजेम [illegible] ... वोड [illegible] ... कृ ऊश्वामिला
लाकावयानकृगुमं [illegible] ... नूकृमवषः
॥ ॥ श्रीमांसृवा [illegible] ... तिमविधा
थवास्यादूसकइयू [illegible] ... मोघु ध
नयाद्वनसागम [illegible] ... ाकार्थव

नवाहनवाग ... ानाथव

सुग्रिहवयुस ... ाकमदुम

नवनिपाधिवव ... ब्रसुह

मवायश्च:सूर्य ... कतुयवि

गितश्चकृवृतखग ... सृवघ्रा

सुमयार्कमनवृहसु ... ३ ॥कर्कट

धामासीन्यायश्चाप्समयामिश्र ... सम्पत्यापृ।वन्द्रह ... पुत्रवाविरू॥ ४ ॥

डिवलोमनृहसमसु।सूर्येन्दुसोमार्कि ऊहसमृहि ... लीहर्वप्राप्य६०तिव

सृत॥ डिवाविरु॥ ७ ॥नविमसितवनसुक:शादमगविपूर्वभ्रकमु ... सृकवालिनमवदी, विनिर्मित्तोनस्य

ज्ञानस्य॥ तुलाविरु॥ ८ ॥मासयनिधातमन्दागनिश्चय, पापविक्रिमनिसप्तन।वर्धर्द्ददनिदगनिह:धातग

निह:कविदावार्य॥ मनिविरु॥ ९ ॥वाक्रसरुष्टुंसामयवो:पापविक्रिमनिसप्तन।वर्धर्द्ददनिदगनिह:धातग

गनिह:कविदावार्य॥ वाक्रविरु॥ १० ॥कतुयसिंहकहदिना: ... नयसु।मासहयनमवदी:वि

निर्मित्तोनस्यज्ञानस्य॥ कतुविरु॥ ११ ॥पंचमनविवि ... ासकमघूव:सुधत्र

वयदुर्धकमुसनिविधमयन ... र्क:नवमंवाक्रक ... विश्वतिमासक।लो

मविश्वाजिवश्चाधी: ... ियानि॥ इति

कवाथहसीयवि ... सूफसवृत्री

दिवघिमास, ... गर्कवयीक्ष

श्राविसृदास्वनि ... कियूकमूल

कु।नस्वर ... मयूत्राकम

वा दं प ला [illegible]

॥ ञ्रू यमु याग [illegible] [illegible] कां मंदड्ढि

गंक्ति व व व नं व [illegible] [illegible] उदयु स्व

स्का स्व निमानः या [illegible] [illegible] सम मु ध

स म क्रा य । स क्ति यो वि [illegible] [illegible] यव या [illegible] २ [illegible] सु यां याग ॥ ॥

॥ ञ्रू ध वं डु याग ॥ न वि वयं हा [illegible] व नू स्क वं द ४ द्वि निय [illegible] [illegible] धु कां म दु मू स हृ प्रा कं न या

स्थि वृ ह धन व लि नि मू ऊ ४ सू मि ना मा कीं न पा न कू गु [illegible] ना व व का । म नि नां । या क म मा ह्नि कू गु रु न्वे स

म कू । वि ता या स्थ नि मा क व कू म व नू स्कू व स ॥ १ ॥ श्री मी सू वा कू वि स वा व कू ध र्म लि नः मा क्रा थं वि ल प थु ऊ

मा मू गु ध्न ह्नि या मा । कीं न ४ सू वि ह्नि नि प नि स वि वा थ या या गु । म न ४ पू मीं वि पू स वि स नू ला वि श न ॥ २ ॥

वा सु ह्नि वि कू म गु न्ते ४ य नि न ४ र वि या सु म नु मा च य न वा कू न हा ग म । दा मा कू दं व ऊ न या व न स ध्व प द ग कृ प यां

ह कू ध्रू या व्र स वा ड्रि वि ह्ना ॥ ३ ॥ कीं ना थं व स्कु म कू द गं ड्रि हि नं. हा स्र दु ड्रु ४ ल ग द [illegible] कू म नं मू ग न । प्रु घा ४ स्वे नं ४

स कल लो क वि र द्र वृ ह्ना क म दु म न व नि पा थिं व व म या धि ॥ ४ ॥ ऊ कि वेंद याग ॥ ॥

॥ सू यें न दि फ नाम वा ऊ आ ग मू ॥ वं द न क मू द म कू न नाम [illegible] दनौ वा ऊ या ग ॥ हो म न वू व

क नाम वा या ग ॥ जि व न दं म नाम वा ऊ याग ॥ [illegible] [illegible] नाम वा ऊ या ग मू ॥

॥ ॥ श्र वु नो मू ग या स्त्रि नां [illegible] [illegible] वा दि मि नि लि दु

वा लि ड न वा नि ह्नि नि म य व [illegible] [illegible] ना म न मा व का

न ह्नि या श्रु त्रा ध न म्रा [illegible] [illegible] दे सा नी

म व षं मा न व या क [illegible] [illegible] मि ॥ ३ ॥

॥ नमो लक्ष्मीन [illegible] [illegible] श्रुक्लमा ग

वधूवा [illegible] लक्ष्मी [illegible] [illegible] गसाक

। कृत्तिकाम् अश्लेषा [illegible] [illegible] लिवा

गुधं उ मघा [illegible] [illegible] [illegible] नक्षत्र ॥

याऊ पूजित । वर्ष ३ ७ वर्ष ४ ३ वर्ष ३ ७ उपविन [illegible] वर्ष ८ ३ । करतु । वा । जा । समार्थ

मित्र शुक्लपक्ष । योनिमा [illegible] दिन [illegible] शुक्र वासर । अद्भवा । [illegible] क कर्त्तः सदा याणिः विनि

र्मुक्ताः मेथुन [illegible] पूर्वमा । धनवमा । श्रिवकण सत्यवंसाः गिनवाद्य देवसा [illegible] शुक्लपक्षः पंचमि [illegible] ॥ स्वा

तिनकतृ शुक्रवासरः पून्य दहमत्यु ॥ २ ॥ धनगतः जिव कर्त्तः धनवंमा । पूर्व [illegible] सत्यवंसाः [illegible] युतिः दि

र्घायु ॥ ह्न सवर्ष ३ वर्ष ७ २ वर्ष ७ ४ वर्ष ३ ४ वर्ष ३ ७ उपविन्ग पूर्वदि ॥ यदा शुक्र [illegible] ग्रह वर्षा माक [illegible] वर्ष १०० जि

वतु । आयष्टमासकल्पकः अष्टम्यानिधिः याव गुरुः मूलन कर्त्तः प्रथम पदे वः [illegible] ॥

॥ अमार्क [illegible] पाक कदाचित्त्यां यमुपयां [illegible] वयस विंह [illegible] पर्वगना [illegible] ॥ [illegible]

मेक ग्रुवक वर्णति । द्वादशि पूर्ववा वदे हनिवासर उचाक ॥ ३ ॥ मेना [illegible] [illegible] याह पाकसंक्रमी । वक्रासी

न्वावसे यात्मे दृष्यासक मेकृत ॥ ४ ॥ षट् मासानि [illegible] षट् [illegible] पनि । षट् सहस्र गता यानि

षट् शहस्र यीनाकिन । गहस्रमात्मलिंगस्य [illegible] [illegible] मात्मन गहस्रक सेकल्पीविधि

उच्यते । षट् गतानि दियायां [illegible] सहस्र [illegible] [illegible] ऊपनि सर्वदा ॥ ५ ॥

[illegible] मा नयान [illegible] यानता मिथ

नु कन्ये ॥ [illegible] [illegible] धन

मिन ॥ [illegible]

मिन ॥ मा...

वि	श्री	जू	सा	सो	...	...	बु	...	वे	नक्षत्रयाम
मू	ह	कृ	वी	मृ	[illegible]	[illegible]	पू	उ	रे	गसद्पाद
०	०	७	७	२	[illegible]	[illegible]	११	११	१२	पागधाछल
१२	२६	१०	२३	८	[illegible]	[illegible]	२	१८	०	साध्य ॥
२०	३०	०	२०	५०	[illegible]	[illegible]	२०	५०	०	
०	०	०	०	०	[illegible]	[illegible]	०	०	०	

नक्षत्रयामा लेंडाक्षा क्षयाहृटथे. पाता कृक्षमाउकाव. क्षिथिअंकमलबयावडियाव थ्वअंकनतु
क्रिसगुलयाछाव. विकसादकसाष्ठयलथें ८० घटि समन थ्वघटिथंक ८० सक्षिअंगमसन थ्वअंगसुयेन २०
धक. थ्वसक्षिवा मिथ्वनथवथवसपोला हृ प्रेगन हृया थ्वकनक्षाहांगयाकमयाकसायं ॥ ल क्षया
वी. साहृयोवाह्याय ॥ नृधयाशुं क्षयावथ्विंजलक्षुष्ठंउदय. थ्वनक्षायाँयाय. बक्रस्वलाव ॥ ॥

सूर्यसंक्रा पिहदवं. थ्वकुन्तृवगंतकसायम्निनु

1252

सूर्यादि मे [illegible] थके पंच [illegible]
ंचववविश्वषायष [illegible] दशमेन्तकाग [illegible]
॥ ॥मिनमषवृषदनध [illegible] लग्नेषुयेन [illegible] लग्ने ८२ कर्कि निधनो
निधि कुलयामा ०८४३ सिंह वृश्चिक कर्कटा गलूता मा ०४३ कन्या तुला [illegible] गुरुणां क्रमा ८३४३॥
॥अथ विवाहे कर्मणि नीचाहत्वं लिख्यते॥ गुरुः सौम्ये गुरू मंगले च गुरुः सूर्ये कुजे च वयः विवाहात कल
तीश कन्या विधवा भवति च॥ १ ॥ यदि चेत् गुरू मंगले च विवधवी गुरू सौम्ये विशी गुरू भूर्जितवत्स कत
है च विरोगो भवति॥ २ ॥ जन्मास्ते गुरू कि मन गुरू धन कुविलाम अष्टमे च पहसन चिर इवचवि धवा
कन्या हवीयन च॥ ३ ॥ दोमा गच्छे दशमे कि मे च नि यमे नि ध्यात्व कुर्यथवा॥ सप्तमे नचिरा द्रुवय
दधि का पुत्रार्थिनी धान्यं तन्नाम क्षयाद्धा हि न व पंच मम पुम स्था म ध्य थ तुर्थ दशमथे ल्यवि हसस्थे॥

४॥ तर्कुच्छ यं पुत्रकु मू तदा विमिश्र राशी न नं गुरुवार्ग भिविह कथिता मूनिन्द्रे॥ ४ ॥ धार्य गुरु न्यस्त वन न तथमे
शामिश्रो सकेऽस्य क वनन थ गतीमं कन्या॥ कर्मणि च जन्मनि धनपि यस्तु शिलावा, पुत्रार्थिनी धायानि वाह्णि क
वा विवाहे॥ ७ ॥ आदित्य कादि विच स लिख्यते ॥ कन्या ३ तुला ३ वृश्चिक ३ तुला ७ दशमे तुला १० कादशमे तुला
कदाचित् गृहस्थ नित वक्र तुला ३ ग्रह आदित्य न वमे ७ तुला पंचमे तुला ७ पटि ला १ सो भी पनि पूजा
गच्छ॥ ८॥ ॥अथ पंचम चन्द्र वक्र का विचार॥ ॥अर्क ने द्वादश ३ धुवर्णि च व निर्गुण त्रि कि यं गुरू षष्ठ
वाष्ठ मन कर्क ३ युव पुत्रकाह [illegible] ॥ पुत्र अन्य [illegible] दशमे च पंचमे॥ द्वाविंशप वि
पूर्वमर्कि इ पुय [illegible] मा मूरु ३ मनि की ला न
८ पष्ठे ३ हि [illegible] ला क जा नीय॥

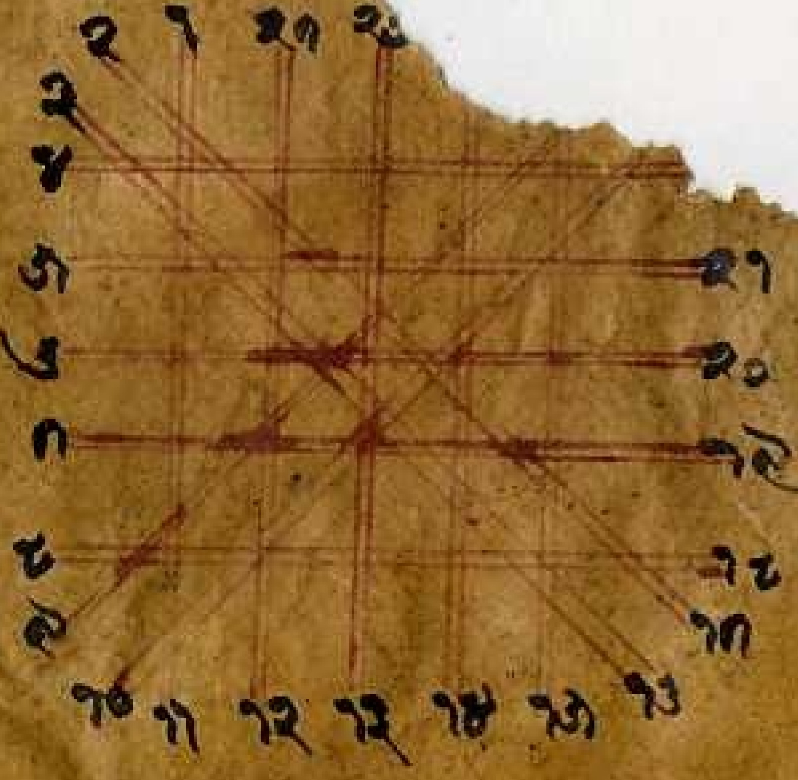

…श्रुतिमिनास
…नुदसउन१०नतु
…गनु…निनकतुत्रु
…नानुसमिनकादनिद
हृदनाम… …हगाउजीवमफमिमार्गव
मथसंक्षिपूयप… …इतीयाधनामिननचतुर्थि
वृषकुंतयामेषकर्कटकिवाहकन्या॥मथुनवाहमिमिदविश्चकिद
समिद्वादासमकरेतुसउतानिनिथयादग्धामासदग्धाप्रकिर्तिता॥
॥ ॥अथपार्श्वविचक्रकाविचारलिख्यते॥ ॥याघानगृसपवितृवानि
याननूर्धगंजानिगंतकलिमनूयवेधनिषु॥आदित्यवेंडपिलगस्यतदद

श्चमूलंभेवाघ्यानियागुरुवर्धाकतानिमूर्धि॥ ॥नवपार्श्वविचक्रतन्नोगवियापन्नू॥तनुविन्नाबलषनुवि

मक्कक

यायकहवाथायागविवाहाकादिनहानपूनर्बगदषिलषनुगृनषनुगृनयागहानमग
मियदषिलषनु पविघयागहानमयादषिलषनु यामिपामयागहानजुम्मु गदषिलषनुवि
विस्कंतयागहानजुग्विनिदषिलघनु… …नकतलषनुघाङ्गीत
कावघाशूर्यचंद्रनपवक… …घाउविनदनु॥ ॥
॥अथवविवघा… …विधियताअग्विः
निमव… …जूवले
वि… …उदबिवविय

बालबनूज [illegible] ांमनघाग

नीउपसीजग [illegible] ाखषाप

वतगर्नू॥ ११ ॥ ३ [illegible] ारामघाम्न

अनूवाधहरू म्मनि॥ ॥ [illegible] षि॥ ॥अथ

ष्ववंधकर्मविवाय॥ ॥नकूतपूर्वीघान्दाव्रव [illegible] अनयाधमगसिवानि

षाकृरूसानिंयवनियषापूर्खलुनिगुक्षपन्दापंय॥ [illegible] काददसिद्यादसिइनियाह

नियाइनिनिपिनसा॥ ॥वानअक्ष्ंनहसीवृधनलावृहस्यानिनसागुक्रनसाक्ष्ंनिवानला॥ ॥

॥अथदीयकर्म्मलिघान॥आदीनकूतयवनिअमिनिनिधनसाथवनहलमगसिवासनहीघापून

वंगुचिनवांनमोमपूधगुक्षवूहस्यानिक्ष्ंनिवानगर्नू॥निथिद्विनियानिनियांपवमिसकूमिदसमिव

कादसिकादसीतयादसिक्ष्ंनिथिगर्नूउपवनतावाहवधू॥ ॥कूत ११॥ ॥अथउपयागलिघान॥

दुयागमनया…
यामितु दा व कुय…
॥अथ तु य तव…
॥सूर्यद्वादशमस…
नवमे विपवित याश्…
विवाहा माधवत्द्विनं: मोक्षि… …तु पश्चमे। गृहलु… ॥
मितमित पूर्वाग्निन्यां। विवाहे हर्षिकायदि। सूर्यन… ॥
किहिसक पूर्वासि। मघायामस्कंदक्षिणे। अनुराधायाम्श्रिमाङ्गुथ… …मिश्राकुथ ॥ ३॥

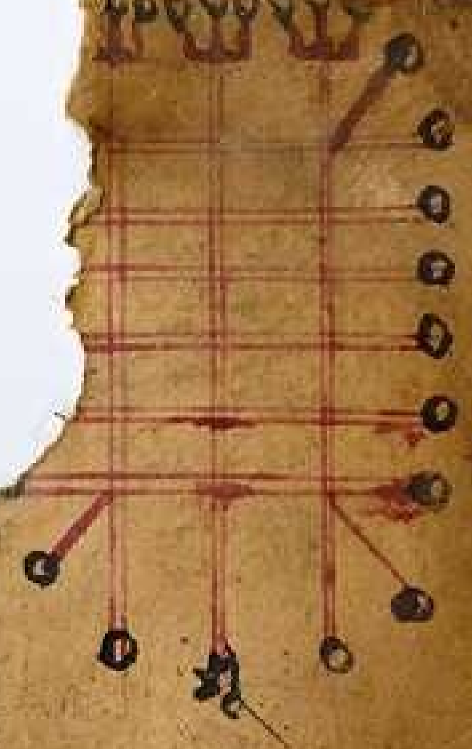

१ लग्नमायदि लाकमा। लाममा। अथलग्नग॥ पूर्णमायुकवाया। गुयथ हावाति पूर्णका॥ ७॥ लग्नकुम्भालय
स्त्रोलग्नेतानूतनूत॥ लग्नमध्यमकाय यापकिमवेजननिङि… …२॥ अष्टादगमकुवापातालन
पर्मेकिता। युधमाजायम यस्या यामानगदमावकु॥… …कूतयथवति। यस्रा
पूर्घेक। ग घ्वाहगमतानीव… …मिश। आमिनपुर… …मादगमितय
वृतमिहत्रुर्द्विनी… …आबदकूस
घ। मायवथोद्वेवि… …गमादा
पासंकथधत॥ अ… …कमेमि ॥
२॥ योदमितुडु… …लाकसूति
किंखेवधं या… …ना नामन

कतुसंक्रित ... दशम

मेगसायूष ध ... सेडा।।मेत्र

किनिन।।२।। ... कम छिदा

दश्रेषनैनाक्विं ... तुनिमूग

मियमूषमेता स्विना ... भवहवनि याहि

निमूकवाथ।।प्रेकुर्मत्वाकुय ... मूगलान्नुनमर्तम ... त्र हवामसवासव

गकाघ्रार्ददहनवयूशार्क वदक्षागलायं।।४।।त ... सहविकुगकवनता।।

विषमहांक्रूययविपूविनास समहांक्रूस्तिविनास।।उ।।

ॐनमःशिवाय।। ।।अथजन्मपत्रिकानिरूपनविवाशनिर्णय।।पद्मिसा१वोथा४मामी७दमो१०कृ

निकद।।थामीजनवेरंकृनितिक्षाण।।त्रिवि४खगहिकमेनी।। ... जनप।।त्रिकोणेनिवगतोदाश।।

त्रिर्शिजक्रनगमाजरव।।१।।उदितयाशुवजादक्षामा ... ।।अक्रमानार्थकेग

या।।२।।भमालिकोम हृषमो ... कामहत्वपा ... मिन दशाधिपा

मोयमकवधहवा।।३ ... नवमंत्रि

मिन दसाक्रुवेद ... जिवमहग

... आदिव्यादि

... त्रसर्व

... कुमूसी

द[illegible]स्य[illegible]दिता [illegible] … [illegible]हिता निला

नि ॥ ९ ॥ वज्री वा हि लि[illegible] … [illegible]तं ॥१०॥ उत

[illegible]कलमूर्का [illegible] … [illegible]नि[illegible] दानीवासु निहस्त

मूर्ते [illegible] कलहयस्य नाना याग[illegible] … [illegible]त्वे[illegible] वादिनि[illegible]

यानव मिशुक्रम [illegible] विनदि[illegible] … [illegible]वामूध्यमे[illegible]हिता

[illegible]याम्बिनिनी । सिद्धि कया निस्त्र[illegible] नमनि वाचानं [illegible] मिय व दर्त क्रम निश्चयनी ॥१३॥ उत्तर [illegible]

निहस्ते व चित्त सात व व यनि । [illegible] दंशिनी यथी दया गत्र कि [illegible]ता ॥१४॥ [illegible]

नीनिमसि[illegible] वमू ॥ [illegible] मनिनी[illegible] ॥१५॥ [illegible] माहिनी [illegible]

सि धनस्य याता यं सोमवृक्ष व व यानि स्यं । गुरु [illegible] वाहिन्यां पृष्ठ [illegible] नि [illegible]

तादिय यथाक्रमात् ॥१६॥ [illegible] समकिय समयि [illegible] निधू । मनसि

यमसि[illegible] गुरु [illegible] विधानं ॥१७॥ [illegible] नि [illegible]

माकि[illegible] नि उ[illegible] मंगलसर्वा [illegible] याने । [illegible] निगानें । गुरु [illegible]

यापविया । गुरु [illegible] निमा [illegible] … सिद्धासनं ॥१८॥ [illegible]

[illegible] गुरु [illegible] … [illegible] नि [illegible]

सिद्धि यागा ॥१९॥ [illegible] … निहस्ते [illegible] गनने

हमू ॥२०॥ [illegible] … [illegible]

नीलकदावधव [illegible] शिवंनक

कन्दू ॥२२॥ उमयहम [illegible] कवहुयया ना ह

वहिस्त्रि ज्ञानपवाना ॥ [illegible] मवाज्ञितवयू धन्य पूजिको

वहिसकम ॥ डिकादयोधनैना [illegible] आर्दयविवर्द्धनकू ॥२४॥ किङ्क

वस्त्रिदक्षघवितवाव ॥ ॥पादक [illegible] वमव तृपादहहि यकुवाक्समम

समग्रहाहरिसमसकषयू ॥२५॥ वाकृकोमा [illegible] कवक्ष [illegible] विषयागर्व धनवाध

शोलेश्वनानाविधे ॥२६॥ ज्ञिसामसूतकत्थेवहृगुज्जलप्रोदयोस्तुनिनामृ । [illegible] नकागहूघवयून्य

वसूत्राघर्मज्ञाता हस ॥२७॥ सविसृद्धोत्तहकवना वविगुसूसद्धा [illegible] कोर्मनावाहृद्धामवेमृद्धामसकि

॥२८॥ उवगमनति यावामवाज्ञिनापूर्वा । यमकूनवकूनावापवावपूगू [illegible] ॥२९॥ [illegible]

नाथ ॥ तिथितिनवमिषधि वा [illegible] र्विमयनमडिड [illegible] वाजितीकालहहु ॥३०॥ दिनाम [illegible]

कंकूला नामनकूमसंक्लिनमू । नमद्दद्द [illegible] दन्यो तृगुहज्ञायमे ॥३१॥ कक्षिति दगावोमो दिवासकवहर्दमि

गुक्ति वहुत्रिनकादमियामोत्रजू स्मिपूर्णियादिवा ॥३२॥ षटूकहि कां यवमघाजत्रिभेदा उव्रह्मा सकाय

८ शुक्रवाँ याकूयात्रेथ । कोविवर्षवकुवोननापिन पाहाकतिवक [illegible] माद ॥३३॥ मूभवता वनतिर्तोकि

वावसमेति नन्मू ॥ सकदियावनि पृथि [illegible] मैवावकूतवाम ॥३४॥ नकवयमकस्वर्ण

पूभपाकालमवव सूननमूयूला [illegible] मिवूधतिमि गुक्तिनिगनि

[illegible] तयँवंडस्य होमस्यगु [illegible] र्द्धवंडदिन कृपँ । पकू

यँहोमस्य गुरुवर्षवक्रि [illegible] रविदं मेमे समिधा

उमति मनिश्ववहि [illegible] कवव कृ

सिद्धस्त्रायीमिथ [illegible] ३२ ॥ कं कं दं
नभम्ह स्वा इहि कि म [illegible] भि कं [illegible] व नि
मामचौव दम निव । मं ग [illegible] ने गुरु ने नाकं द न । वा क्र
द्वादअं व र्व नि गुक्रा त्त क विं म नि ॥ [illegible] थ न पं ति गा ला नि क्रं त्न
कक्षायमन । सिद्ध सर्वगु विपाक्षि । क [illegible] र्वने । हन्ति क प्र वा स्त्र म् [illegible]
प्र धनश्चव । म क व व द स ह ना । क्र क स ल्य दा [illegible] नि [illegible] ब क मा गं ग ॥ ५२ ॥ यवि त य द्वि क व
स्व म न क्र ग र क या न व ध व द्वि ज्ञा ग । [illegible] ह्नं ल ह [illegible] गु ग क य [illegible] न ह्रं क ल ह कि को म
यो ॥ ६३ ॥ क ष्टु जि द म न [illegible] दि वा ल क [illegible] मि [illegible] नि न [illegible] मी मा ति [illegible] दि ला ॥ [illegible]
नि क्र दो वि वा ह्रं यो ॐ स क वि न [illegible] ना [illegible] क [illegible]

मा वृश्चिक धविहगु सोम...
मा घा का देवागुर्विना तृतमद...
रूलया ॥ ६ ॥ मिथुन सवा हेक दय वा...
या ॥ १० ॥ तृद गगय विलयन कमलानू ... काद्मीपा
पा चतुर्थे दगमगुवो । हृपति वलजा नस्य याजा ... डा वृहस्पति
। मन मालंग यूला नी मलंदेति व कमति ॥ १३ ॥ जिवोवापि वृश्चिय ... वा दकन्ह वे वृषमीजानस्य दिघीय
वलयीवाजयूजिन ॥ १४ ॥ शुक्रा यस्य वृश्चियस्य यस्य कडा वृहस्पति । दगमामगावकायस्य संत कलदेपका ॥
१५ ॥ शुक्रा नास्ति वृश्चि नास्ति । नास्ति कडा वृहस्पति । दगमम गावका नास्ति दानिपूजामहिपति ॥ १६ ॥ कुज
धन मृग कन्या कर्कट स्थापि वाद उ वनितिविध सन्नि याजवा जाप्रिपावा । हयगज वंव नाका मदनिम

वि

स

७ लानी । विपूगस हृदे वक्रिवा कुलंनि विवायू ॥ १७ ॥ सप्तविहा कड सकल कलापूविमानि सानाथ ।
विदग्धानि सौघा मर्थ विक्रम धनवाहनापन ॥ १८ ॥ कतु वा हम कडव थमं न्यार्का कु उ ... क्रिजा क
तुर्हे व क्षेत्र वलायीन सूर्या ॥ १९ ॥ सप्तशुक्र स्त्री सूया मिन जिव तुला वव ... नि ... गमा
नवकृनदा ॥ २० ॥ दगमम गमदिना नाथ सप्तगुरु मागव । दि... म
जपतिनाथ ॥ २१ ॥ कर्क धनजिवम ... ९ कु
वृषे ॥ २२ ॥ नवूसाक पविघान ... क
स्थितीयव ॥ २३ ॥ स्वस्थानाघय ...
मकायदि ॥ २४ ॥ मैत्र द्वित्रय ...
मीनक ॥ २५ ॥ सामासंव ...

त काद्म ॥ ३० ॥ पूर्णसुवस्य हि … मतवृधासिका
कहिमकथा. कलत्रयं च ॥ … वर्कमपिमवर्काव
दशमो यंदयन ४ मक … मामात्सज ४ शुक्रषष्ठेदा
दशमकयाम्रियहिन ४ म … र्वनष्ट्यमि ४ स्ववंद्गुरुम
पूर्कविमालभा वनद्वयं ॥ … हिर्तौवद्वासासंपटसाव
म्रियां ॥ ३१ ॥ द्वादशस्थावदाय … वजागजानियाकुजातपूताजिवता ॥ ३२ ॥
मूर्धस्थो यदा वाकुकजीवतिय … व … लवकु … तकसनसंशय ॥ ३३ ॥ षष्ठाष्टमायुधस्थे
वर्क्षमकालपूर्वंडमा ॥ सप्तम वर्षेत्सवत्सरज्ञात कस्यं नसंशय ॥ ३४ ॥ दशमापियदावाकुतवनियदिह
मन ४ घातमाहिरवेत्स त्सुसक्कापियदिमकसि ॥ ३५ ॥ दशमापिनिमानाथमएकमापिरुगुरूथासौवि

हिवकस्थेव यंमकत्वामजात … ॥ नियहितजन्मनियागहाय. तहामितायध्वतहय
नघि ४ तवक्कालियदिकद्धवर्हि … क्कवहि ॥ ३९ ॥ पापाहयमध्यस्के लग्नेवंदयवकर्त
तू ॥ यविनयनद्धीनमायीमयुध … र्यवमस्थान. सूतस्याथवालूयग ४ पूतवीक ४
स्यदिर्घायु. क्रूमाष … र्गवा ज्ञानियवि ॥ नवीमीयामत्स्थान. स
र्घाविहूनिवायपकु … रप्यमायुध्यहिनातवकन
य ॥ ४० ॥ कर्कटस्थय … लक ॥ ४२ ॥ वृषकर्कट
कशुक्र. लग्नेयस्य … स्यशुक्रस्य मनस्यकोम
कया कवकर्कटकेयदिस्था … ४४ ॥ मतयत्रोल्का
मर्वग्रहावत्वाविमव ॥ पूस … ग हि … म

मस्य भवति कर्क्कोदयतनुर्जा
कृयविवाधकर्मकर॥८
नं दृष्टिमार्थे॥४८॥
॥मीनस्य सिंहस्तृय
वर्धन सुलूबवन
हस्य द्विना॥४०॥
लग्नगुरुकधनवंदू
जिवसित्र वकत्रधवनि
नयदा कुज॥मस्य जाता

वव।अष्टु जिन
र्कजातं विद्याद्रिक्रमति
स्वानूववितसंयुर्नव
यदा सनि।वाराधिमति
सपूर्कन्या यौवंगुलेयदि
स्यमजातस्य विद्यातकुलदहपर्क॥४२॥
वयपितानेवद्धृष्टयत॥४३॥मीन कृत्तगता।
कौतिनिर्कव॥४४॥धनस्कानृयदासीवि, लयस्का
त॥४५॥सूक्षकृस्थानयदास्तूर्य अपुस्थानेयदा गु

नृ।तस्य जाता मन्याम
काले पृतयातत्कुद्वि
कर्कटस्थत सपद
तमू।वक्र वादत
व।केर्कटके श्रृनि
कर्म सुटयेतुवता
माता मीनस्य इम
गु नामे वृधसी वर्ज्मसुदाज
लिवृध्य वर्द्धीमनिसूर्य

स्थानयदा वंद धनस्थम्प वृहस्पति।तस्य जाता विवं
वानलिख्यत॥ ॥धनकन्याकामपित, द उतुला
॥पितं वाद तव कुलार्क स्वनवादं सत्तास
सूयं प्रति वृषचना। सतिसमम्येर्कु
सु पापायतनो मर्यंम
॥अर्कस्य नार्त्रि वमनेदि
सुक॥४७॥मीनर्कनव
कमा विकाणीवालस
षत्रे